राजा दाऊद ने एक बुरी आदत को छोड़ा

बालकों को शिक्षा दें, कि कैसे परमेश्वर उनके जीवन में पाप की शक्ति को तोंड़ता है।

प्रर्थना: प्रभु, दाऊद और बतशेबा के इस अध्ययन के द्वारा बच्चों की, उनके जीवन में बुरी आदतों को धोड़ने में सहायता कीजिये।

2 शमूएल 11 और 12:1-23 तक पढ़कर अध्ययन तैयार करें, कि किस प्रकार परमेश्वर ने दाऊद के जीवन में, व्यभिचार की शक्ति को तोड़ा।

एक बड़े बालक को स्मरणशक्ति के द्वारा कहानी की पढ़ने दें या बतानें दें। फिर 2 शमूएल 11:1-17 में से ये प्रश्न पूछें। *(उत्तर हर प्रश्न के बाद लिखे हैं।)*

- राजा ने क्या लिया जो उसका नहीं था?

  (उत्तर : पद 4 देखें। दाऊद जो चाहे वो ले लेने की आदत का अभ्यस्त हो गया था, क्योंकि वह राजा था। यह एक पापी प्रवृत्ति थी परिणाम-स्वरूप उसने व्यभिचार किया।)

- राजा दाऊद ने उरिय्याह को धोखा देने का कैसे प्रयास किया? (देखें पद 8)

- दाऊद का एक पाप और अन्य पाप करने का कारण कैसे बना?

  (पद 13 तथा 14 देखें। अक्सर, जब हम एक पाप को छुपाने का प्रयास करते हैं, हम और भी ज़्यादा बुरे पाप कर देते हैं। जब दाऊद ने आपने पाप को छुपाने का प्रयत्न किया, उसने झूठ बोला तथा कत्ल किया।)

2 शमूएल 12:1-14 में से प्रश्न

- भविष्यद्वक्ता नातता ने दाऊद को उसके स्वंय के पाप को पहचानने के लिये क्या बताया?

  (पद 1 देखें। उसने एक कहानी सुनाई। परमेश्वर हमारे पापों को हमें पहचानने में सहायता करने के लिए अक्सर ज्ञानी लोगों का उपयोग करता है, हमारे लिये प्रार्थना करने के लिये, तथा हमारे कार्यों के प्रति हमारे उत्तरदायित्व को स्वीकार करने में सहायता करने के लिये।)

- परमेश्वर को उसके जीवन से पाप की शक्ति को तोड़ने से पहले दाऊद को क्या करना था? *(पद 13)*

- क्या परमेश्वर ने दाऊद को क्षमा किया? *(पद 13)*

- दाऊद के पाप का क्या परिणाम था? *(पद 14)*

दाऊद और बतशेबा की कहानी का नाटकीकरण करें।

- प्रमुख कलीसियाई आराधना के मार्गदर्शक के साथ बालकों का यह नाटक प्रस्तुत करने की व्यवस्था करें।
- बड़े बालकों को छोटों को तैयारी करने में सहायता करने दें।
- बड़े बालकों या व्यस्कों को नातान, दाऊद, बतशेबा, ऊरिय्याह तथा वर्णनकर्ता की जो कहानी का संक्षेप करता है तथा बच्चों को भूमिका स्मरण कराने में सहायता करता है, भूमिकाओं का अभिनय करने दें।
- छोटे बच्चों को धनुर्धरी, धनी व्यक्ति, निर्धन व्यक्ति, पालतू मेनने तथा भेड़ो की भूमिका नीभाने दें।
- इस नाटक को कम से कम शब्दों में करने का प्रयास करें।
- अगर आपका समूह काफी छोटा है, तो भेड़ों को रहने दें (धनी व्यक्ति उनकी गिनती करने का ढोंग करता है)।

वर्णनकर्ता: 2 शमूएल 11:1-17 में से कहानी का भाग 1 बतायें।

फिर कहें, ''सुनो, दाऊद स्वंय से क्या कहता है।''

दाऊद: घमंड में अकड़कर चलें, कहते हुए, ''मैं राजा हूँ। मैं जो चाहूँ कर सकता हूँ। मैं जो चाहे पा सकता हूँ।''

बतशेबा: दाऊद के सामने टहलो ।फिर अपने हाथ धोने का दिखावा करो।

ऊरिय्याह: अपनी पत्नी बतशेबा के पास खड़े हों, पर दूसरी ओर देखें, उसकी या दाऊद की ओर नहीं।

दाऊद: बतशेबा की ओर देखें और फिर इधर - उधर देखें, कि कोई निगरानी तो नहीं कर रहा है। फिर अपने हाथ से उसकी और इशारा करें।

बतशेबा: दाऊद के पास जाओ और उसके साथ चलो जाओ।

द्यनुर्धारी: उरिय्याह के निकट जायें तथा उसके ऊपर तीर चलाने का दिखावा करें धनुष की डोरी की 'ट्वाँग' जैसे आवाज़ें बनाऐं।

उरिय्याह: अपने सीने को कस कर पकड़ें, दर्द से चीखें तथा ज़मीन पर गिर जायें, मृत।

वर्णनकर्ता: 2 शमूएल 12: 1-14 में से कहानी का भाग 2 बतायें। फिर कहें, ''सुनो भविष्यद्वकता नातान राजा दाऊद को क्या बताता है।''

नातान: ''राजा दाऊद, कृपया देखें। आपको बताने के लिये मेरे पास एक कहानी है।''

पालतू मेमना: अपने हाथों तथा घुटनों के बल निर्धन व्यक्ति की ओर जायें, भेड़ की आवाज़ें निकालते हुए।

निर्धन व्यक्ति: ''प्यारा सा छोटा मेमना!'' प्यार से मेमने को थपथपायें।

भेड़े: भेड़ों की तरह जायें तथा धनी व्यक्ति के इर्द गिर्द भीड़ लगायें।

धनी व्यक्ति: अपनी भेड़ों को तेज़ आवाज़ में गिनता है। फिर कहता है, ''मुझे भोजन के लिए एक भेड़ चाहिये।'' निर्धन व्यक्ति के पालतू मेमने की ओर इशारा करें और कहें, ''वो वाली!'' जाकर उसे लाओं। धर से उसकी गर्दन काटने का दिखावा करें। वो ज़मीन पर गिर जाता है।

नातान: ''राजा, ऐसा ही आपने करा है आपने वो लिया है, जो आपका नहीं था। आप मृत्यु के योग्य है।'

राजा दाऊद: मैं पश्चाताप करता हूँ। परमेश्वर मुझे क्षमा करे! यह पाप मेरे जीवन में अधिक से अधिक बढ़ रहा था, परन्तु अब परमेश्वर ने उसकी शक्ति को तोड़ने में तुम्हारा उपयोग किया है। मैं अब से अच्छा बरताव करूँगा।''

नातान: ''परमेश्वर आपको क्षमा करता है, परन्तु आपका पाप बुरे परिणाम लायेगा। बतशेबा का शिशु मर जायेगा।''

प्रश्नः अगर बालक इस कहानी का नाटकीकरण व्यस्कों के लिये करते हैं, उनको व्यस्कों से उपरोक्त प्रश्न भी पूछने दें।

फूलों के बीच में एक काँटेदार पौधे का चित्र बनायें

बालकों कों उनके चित्र अराधाना के समय के दौरान व्यस्कों को दिखाने दें।

बालकों को यह समझाने दें, कि यह दिखाता है कि कैसे एक पाप बाग में खर-पतवार की तरह अन्य पापों को पैदा करता है, अगर हम उसे हटा नहीं देते हैं तो। परमेश्वर हमें पाप की शक्ति से मुक्त करता है, जब हम अपने पापों के लिये खेद व्यक्त करते हैं तथा उससे हमको क्षमा करने के लिये कहते हैं।

परिचर्चाः बालकों तथा व्यस्कों को लोगों को जीवन में बुरी आदतों की पकड़ को परमेश्वर द्वारा तोड़े जाने के अन्य उदाहरणों का हवाला देने दें।

कविताः भजन संहिता 51:14-17 में से पदों को चार बालकों को सुनाने दें।

बड़े बालकों के कविता या गीत लिखने दें जिसमें भजन संहिता 51 के शब्दों या विचारों का उपयोग हो।

स्मरण करेंः भजन संहिता 51:12

प्रार्थनाः ''प्रभु, कभी-कभी हमारे जीवन में पाप होते हैं, जो बढ़ते ही जाते हैं। हम उनकी शक्ति को तोड़ नहीं पाते। उनका पश्चाताप करने में हमारी सहायता करें तथा ज्ञानी लागों को पाने में, जो हमारी उन पापों से दूर रहने में सहायता करें। पवित्र जीवन जीने के लिये हमें अपनी शक्ति दें यीशु के नाम में।''

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net